

2 समाज जागरण

संपादकीय

नोएडा,(गौतमबुद्धनगर) बुधवार 06 जुलाई 2022

साधना पथ (भाग 187)



देव मणि शुक्ल

साधकों, लौकिक जीवन में जितने भी सुख साधन एवं प्रसन्नता-दयक अवसर है, उनका मूल अध्यात्म ही है। यदि इस विचारधारा का प्रभाव मन पर न हो, तो पुण्य कर्म

लिए वर्षों पूर्व आत्म-निर्माण की साधना करनी पड़ती है। अपना चेहरा कुरुप हो, तो फोटो भी कुरुप ही खिचेंगा। माता-पिता का स्वभाव अवश्यक्षित हो, तो उनके बालक कैसे सज्जन और सद्गुरी होंगे?

बच्चों को पौष्टिक भोजन कराकर, उन्हें स्वस्थ और कपड़े, जेवर आदि से सजाकर सुन्दर बनाया जा सकता है, पर उसके स्वभाव में ब्रह्मता तो तभी आएंगी, जब माता-पिता अपने शिक्षा का प्रभाव प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से उन पर डाले।

यथा कार्य आधात्मिक विचारधारा से ओटा-पौटा तम्पति ही कर सकते हैं। इसलिए उल्कट प्रकार की सन्तान प्राप्त करना भी उन्हीं के लिए संभव होता है।

कभी-कभी सज्जनों के घर में भी कुसंस्कारी बालक जन्मने के अपवाह होते होते हैं, पर मोटा नियम यही है, कि उसे भवना प्रवाह में बालक पलता है, वैसे ही संस्कार उसके बनते हैं और धीरे-धीरे उसी साँचे में ढल जाता है।

उपदेशों से नहीं, बालक संस्कारों से ढलते हैं और ऐश्वर्यालने का साँचा एकमात्र अध्यात्म ही है। यही बात परिवार के अन्य सदस्यों के लिए लागू होती है। पति-पत्नी में से एक भी उल्कट स्वभाव का हो, तो दूसरी की अपर्णता को बहुत हड़तक दर करते हैं सभी को बहुत अंशों में अपने अनुकूल बना सकता है।

व्यवहार की सज्जनता से परिवार के अन्य सदस्य भी अपने अनुकूल बन जाते हैं। अच्छी सन्तान पैदा करने के इच्छुक माता-पिता को इसके

6 जुलाई/जन्म-दिवस
नारी जागरण की अग्रदृढ़ लक्ष्मीबाई केलकर



बंगाल विभाजन के विरुद्ध हो रहे आन्दोलन के दिनों में छठ जुलाई, 1905 को नागपुर में कमल नामक बालिका का जन्म हुआ। तब किसे पता था कि विविध विभाजन के एक भवित्व में बालिका नारी जागरण के एक महान सगठन का निर्माण करेगी।

कमल के घर में देशभक्ति का बातावरण था। उसकी माँ जब लोकान्तर तलक का अध्यात्म द्वाक्षर्यों से प्रभावित होकर उसने नेश्वरी किया था, वह देह रहित विवाह करती। इस दिन के कारण उसका विवाह 14 वर्ष की अवस्था में वर्धा के एक विधूर वकील मुराओतमारा केलकर से हुआ, जो वृत्तियों के पिता थे। विवाह के बाद उसका नाम लक्ष्मीबाई हो गया।

आले 12 वर्ष में लक्ष्मीबाई ने छह पुत्रों को जन्म दिया। वे एक आदर्श व जागरूक गुणी थीं। मायोरों से प्राप्त संस्कारों का उन्होंने गुह्यता जीवन में पूर्णतः पालन किया। उनके घर में खेड़ी वस्तु ही आती थीं। अपनी कन्याओं के लिए वे घर पर एक शिक्षक बुलाती थीं। वहीं से उनके मन में कन्या शिक्षा की बाबाका विद्यालय खोल दिया।

हिंग्रेस समाज से टक्कर लेकर उन्होंने घर में हरिजन नौकर रखे। गान्धी जी की प्रेरणा से उन्होंने घर में चरखा मँगाया। एक बार जब गान्धी जी ने एक सभा में दान की अपील की, तो लक्ष्मीबाई ने अपनी सोने की ज़ीज़ी ही दान कर दी।

1932 में उनके पति का देहान हो गया। अब अपने बच्चों के साथ बाल विवाह ननद का वायिक भी उन पर आ गया। लक्ष्मीबाई ने घर के दो कमरों के कराये पर उड़ा दिये। इससे अर्थिक समस्या कुछ हल हुई। इन्हीं दिनों उनके बेटों ने संघ की शाखा पर जाना शुरू किया। उनके विचार और व्यवहार में आये परिवर्तन से लक्ष्मीबाई के प्रति आकर्षण जगा और उन्होंने संघ के कार्य को अनेक प्रान्तों में विस्तृत किया।

डा. हेडेगेवर ने उन्हें बताया कि एक संघर्ष के लिए जीवाजी के मातृत्व को आदर्श व अहल्यावादी के नाम से जारी किया जाए। उन्होंने अपने जीवन के हृदय में श्रद्धा का स्थान लिया। सब उन्हें हवान करते और उन्होंने सेविकाओं से हर परिवर्तन का मुकाबला कराये और अपनी परिवर्तन बनाये रखने की कहानी।

1945 में समिति का पहला राष्ट्रीय समेलन हुआ। देश की स्वतंत्रता एवं वेभाजन से एक दिन पूर्व के कराची, सिन्ध में थी। उन्होंने सेविकाओं से हर परिवर्तन का मुकाबला कराये और अपनी परिवर्तन बनाये रखने की कहानी।

गौरीजी स्त्रियों के किए जीवाजी के मातृत्व, अहल्यावादी के कर्तव्य तथा लक्ष्मीबाई के नेतृत्व को आदर्श मानती थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में बाल पन्दिर, भजन मण्डली, योगाभ्यास केन्द्र, बालिका छात्रावास आदि अनेक ग्रन्थालय प्रारम्भ किये। वे रामायण पर बहुत सुन्दर प्रवचन देती थीं। उनसे होने वाली आय से उन्होंने स्थानों पर समर्पित के कार्य को अनेक प्रान्तों में विस्तृत किया।

27 नवंबर, 1978 को नारी जागरण की अग्रदृढ़ वन्दनीय यौसीजी का देहान हुआ। उन द्वारा स्थापित राष्ट्रीय सेविका समिति आज विश्व के 25 से अधिक देशों में सक्रिय है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार ज्ञा द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस वी, 42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्ग पब्लिक स्कुल श्याम लाल कालोनी बरोला सेक्टर 49 नोएडा 201301 गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र. से प्रकाशित, फोन 9891706853

महंगाई उच्चतम सीमा पर, आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों को रोकने नए प्रभावी नियंत्रक कानून की आवश्यकता

भारत में पिछले दो वर्षों में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। भारत की जनसंख्या के महेन्जोदरा लगभग 135 करोड़ लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं के दाम पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं। आपको यह बता दें कि आवश्यक वस्तुओं में चावल, दाल, गेहूँ, केरोसिन, गैस, पेट्रोल, डीजल और अन्य रोमार्का की चीजें समाहित हैं। आवश्यक वस्तुओं के मूल्य केरोसिन, गैस और पेट्रोल, डीजल को छोड़कर रहने के कारण ही यूरोपीय देशों ने आवश्यक वस्तुओं के लिए कोप कर रहा है। भारत का परियोग्य महंगाई चरम पर पहुंच गई है। आपको यह बता दें कि आवश्यक वस्तुओं की आवश्यकता प्रतीत होती है। याकर्सन, वालांडोस के अलावा श्रीलंका में तो महंगाई ने सरकार रोका ही रहा है।

भी उतना ही शक्तिशाली है जितना वह उस 1990 में विवरण के पूर्व था। रूस यूक्रेन युद्ध के 50 दिन पूरे हो चुके हैं और यूक्रेन के ही संसाले अभी भी बुलंद दिखाई दे रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय न्यूज एजेंसियों के अनुसार उनके बाहर नहीं हैं और यूक्रेन के लिए एक बड़े नरसंहार केंद्र के रूप में तब्दील हो सकते हैं और इसकी वैश्विक असांख्यिकी को और बढ़ा दें।

अब धीरे-धीरे पुतिन को योजनाओं से लगाने लगा कि विश्व का विवरण को विवरण द्वारा ही बदल दिया जाए। यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 24 देश ही है। और वाकी योजनाओं से लगाने लगा कि विश्व का विवरण द्वारा ही बदल दिया जाए। यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 20 देश ही है। और वाकी योजनाओं से लगाने लगा कि विश्व का विवरण द्वारा ही बदल दिया जाए। यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 15 हजार सैनिक इस युद्ध में हालात के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 10 हजार सैनिक और अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 5 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 2 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 1 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.5 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.2 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.1 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.05 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.02 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.01 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.001 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0001 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.00005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.00002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.00001 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.000005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.000002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.000001 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0000005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0000002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.0000001 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.00000005 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लगभग 0.00000002 हजार सैनिक है। और यूक्रेन के लिए एक बड़ी संतान का लग

5 समाज जागरण

कानपुर में बुजुर्ग दंपति की हत्या से सनसनी : वजह अज्ञात

सुनील बाजपेहूँ

कानपुर। आज वहां मंगलवार को बार थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपति के हत्या किए हुए शब्द बरामद किए गए, जिसको जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। वहां घटना को सूचना पर पहुंची पुलिस ने फारिसक टीम के साथ मिलकर घटना की आवान शुरू की है। लॉकिन समाचार निखे जाने तक घटना की वजह पता नहीं चल पाई है। जानकारी के मुताबिक मूल स्पष्ट से महाराजपुर थाना क्षेत्र के प्रेमपुर में रहने वाले गणपति से रियरड 62 साल के मुना लाल बर्ड थाना क्षेत्र में रहते थे। परिजनों ने बताया की इसके पहले वार अपनी पत्नी राधेवं जी के साथ युजैनी में रहते थे और दूसरा थाना की जानकारी बीती रात लगभग 2:30 बजे परिवार वालों को तब हुई जब बेटी माला ने दोनों की लालों को रक रंजीत पड़े हुए देखा। मौजे पर पहुंची पुलिस को दी गई जानकारी के मुताबिक रात तीन अज्ञात लोग घर में जबरन घुस आए। और वही अज्ञात बदमाश धारक हथियार से हत्या करने के बाद फरार हो गए। इस बारे में मूतक के बेटे से भी पुलिस ने बुजुर्ग की है लॉकिन समाचार लिखा। जाने तक घटना की वजह पता नहीं चल पाई है। वही पुलिस ने बताया है की राधेवं को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनको तलाश लगातार की जा रही है।

राजस्थान के दौसा में हुए सड़क हादसे में कानपुर के चार लोगों की मौत

सुनील बाजपेहूँ

कानपुरे लगातार होने वाली सड़क दुर्घटनाओं लोगों की असम्य जान लेने से नहीं चूक रही है। ऐसी ही एक घटना में राजस्थान के दौसा जिले में हुए सड़क हादसे में कानपुर के चार लोगों की मौत हो गई। यह सभी लोग खातू श्याम जी के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। मिली जानकारी के मुताबिक सड़क हादसे में मौत के शिकायत होने वाले सानु सोनी, नीरज सोनी और कर्मचारी सोनी उत्तर प्रदेश में कानपुर के सूचय गांव नगर के रहने वाले थे और घटना के समय खातू श्याम जी के दर्शन करने के लिए गए हुए थे। इस घटना से उनके परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक ने 750 पेड़ लगाकर किया वृक्षारोपण

दैनिक समाज जागरण विजेंद्र सिंह /गुर्जौर

गुर्जौर थाना परिसर एवं चौकी क्षेत्र में ब्रैंडेल वारी संबंधी कुमार तथा थाना प्रभारी विंडेंड पाल सिंह पुलिया की अव्यक्तता में पौधारोपण किया गया जिसमें कुल 750 पौधे थाना क्षेत्र, चौकी सहित लगाए गए। जिसमें फलार, छायादार एवं फूल के अलावा कई महत्वपूर्ण पौधे लगाए गए हैं। वृक्षारोपण के मौजे पर थाना प्रभारी, विंडेंड पाल पुलिया ने कठा किया। ये पौधे जीवन हैं। पैदे पौधे ना हो तो हम सब सास नहीं ले सकते हैं। इसलिए जीवन के लिए हम सब को संकल्प लेना चाहिए। वृक्षारोपण कार्यक्रम लगातार की चाही है। प्रत्येक वर्ष, अपना जीवन यानन करने के लिए सम के समाचार पौधे प्रतिवर्ष जरूर लगाए। पर्यावरण की वीथ बात करें तो अब सुन्तुलन विगड़ा जा रहा है। पर्यावरण में प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रूपित पर्यावरण के दुर्घटनाएं भी सामने आने लगे हैं। प्राकृतिक विषया और सुनाया इसका उदाहरण है। पैदे पौधे हम सबको छाया व फल आई दें रहे हैं। इसके अलावा आयोजित स्वामी विवेकानन्द के सदयों में संघर्ष में बुवाओं के वरियान देने वुवाओं का दायित्व सौंपने तथा बुवा शक्ति के माध्यम से समाज की सेवा करने का संकल्प लिया।



उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ खंड पुरुष के संघारात में अध्यक्ष चुनावों जिला चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनुज कुमार को बनाया गया। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ खंड पुरुष के संघारात में अध्यक्ष चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनुज कुमार को बनाया गया। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ खंड पुरुष के संघारात में अध्यक्ष चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनुज कुमार को बनाया गया।

आज उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ खंड पुरुष के संघारात में अध्यक्ष चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनुज कुमार को बनाया गया।



कुमार एवं तालिका कांक्षयक दिवेश कुमार भी भौजूद रहे, सभागार में पूर्ण सम्पन्न चुनावों के बाद संघीय भारती ने कठा कि हमें अपने हक की लडाई लड़ा है और अपार आपके साथ हैं। वही जिला मंत्री सुनील कुमार ने कहा है हम सभी लोग आपके साथ हैं। इसके बाद प्रत्येक वर्ष आपको जिला चुनावों के लिए उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनुज कुमार को बनाया गया।

सुसाराल से फरार महिला ने थाने में काटा हंगामा

रिपोर्ट फारूक अंसारी दैनिक समाज जागरण बिजौर

स्थोहारा : एक माह पूर्व घर से फरार महिला ने थाने पहुंचकर जमकर हंगामा किया। यहां थाना के सम्मुख घोराकोटी के अपने लोगों ने बुजुर्ग दंपति के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। एक माह पूर्व सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

रिपोर्ट मोहम्मद आविद खान दैनिक समाज जागरण बिजौर स्थोहारा थाना परिसर में अपने लोगों ने बुजुर्ग दंपति के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

महिला की शादी चार वर्ष पूर्व स्थोहारा क्षेत्र के एक गाँव निवासी युवक से हुई थी। महिला के एक तीन साल का पुत्र भी है। सब कुछ ठीक चल रहा था कि इसी बीच एक माह पूर्व महिला नहीं मिली तो महिला के पति ने थाने पहुंचकर 22 जून को अपनी पत्नी की गुमशुद्दी दर्ज कराई। सोमवार को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर महिला को दोपहर अचानक स्थोहारा थाने पहुंचकर करने के बिलाफ सख्त करने की चेतावनी भी दी। उन्होंने इंदू उल अजहा का थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गाँव जिवानी के लिए स्थान बदल दिया।

